

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -7

हिन्दी (LOWER)

पाठ -2

बगुला भगत

CHANGING YOUR TOMORROW

“इस तालाब का पानी दिनों-दिन कम हो रहा है। गरमी बढ़ रही है। धीरे-धीरे तुम सब मृत्यु के मुख में चली जाओगी।”

“तो हम क्या करें, मामा? तुम्हीं कोई उपाय बताओ न!” मछलियों ने घबराकर कहा।

“अब एक ही उपाय है। मैं एक-एक कर तुम सबको अपनी चाँच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आऊँ।”

“लेकिन मामा! इस दुनिया में आज तक कोई बगुला ऐसा नहीं हुआ जिसने मछलियों की भलाई के बारे में सोचा हो। भला हम तुम पर कैसे विश्वास कर लें?”

बगुले ने अब अपनी चाल चली—“तुम ठीक कहती हो। जिस तरह एक गंदी मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है, उसी तरह एक बगुले ने सारे बगुला समाज को बदनाम कर रखा है। तुम लोग ऐसा करो, किसी एक मछली को मेरे साथ भेज दो। मैं उसे वह तालाब दिखा लाऊँगा। तुम उससे पूछ लेना। अगर विश्वास हो जाए, तो तुम सब एक-एक कर मेरे साथ चल पड़ना।”

मछलियाँ धूर्त बगुले की चाल में आ गईं। उन्होंने एक मछली को बगुले के साथ भेज दिया। बगुला उसे तालाब दिखाकर ले आया। उस मछली ने बड़े तालाब का बड़ा ही सुंदर वर्णन किया। उससे प्रभावित होकर सभी मछलियाँ चलने को तैयार हो गईं।

अब बगुला उस तालाब में से एक मछली ले जाता और दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान पर बैठ उसे मारकर खा जाता। इसी तरह उसने तालाब की सारी मछलियाँ खा लीं। चट्टान के पास मछलियों की हड्डियों का ढेर लग गया।



शब्दार्थ-
उपाय- तरीका
बदनाम- जिसका काम बुरा हो

अर्थ बोध-

बगुला मछलियों को अपने चिंता का विषय बताया। बगुले की बात सुनकर मछलियाँ सोच में पडगये। बगुला मछलियों को बचाने का उपाय बताता है। परंतु मछलियाँ बगुले को विश्वास नहीं करते हैं। बगुले अपनी धूर्त चाल चलता है और मछलियाँ उसके चाल में फ़स जाते हैं। अब बगुला एक एक मछली तालाब से लेकर जंगल में मार कर खा लेता है और मछलियों के हड्डियों को चट्टान के पास छोड़ दिया।



संबंधित प्रश्न-

१. बगुला मछलियों को अपने चिंता का कारण क्या बताया?
२. मछलियाँ बगुले को क्यों विश्वास नहीं करते हैं ?
३. बगुला मछलियों को कैसे मनालेता है?
४. बगुला अपने चाल में कामयाब हो कर क्या करता है?

गृहकार्य- पढ़ाया गया पाठ को पढ़ो।



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP